गग टेडी - गग मुठी अवम यूचेप

ਵਕਤਾ: ਸੰਤ ਗਿਆਨੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜੀ ਖਾਲਸਾ ਭਿੰਡਰਾਂਵਾਲੇ



ਲੇਖਕ : ਗਿਆਨੀ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਜੀ 'ਲਿਖਾਰੀ ਜਥਾ ਭਿੰਡਰਾਂ'



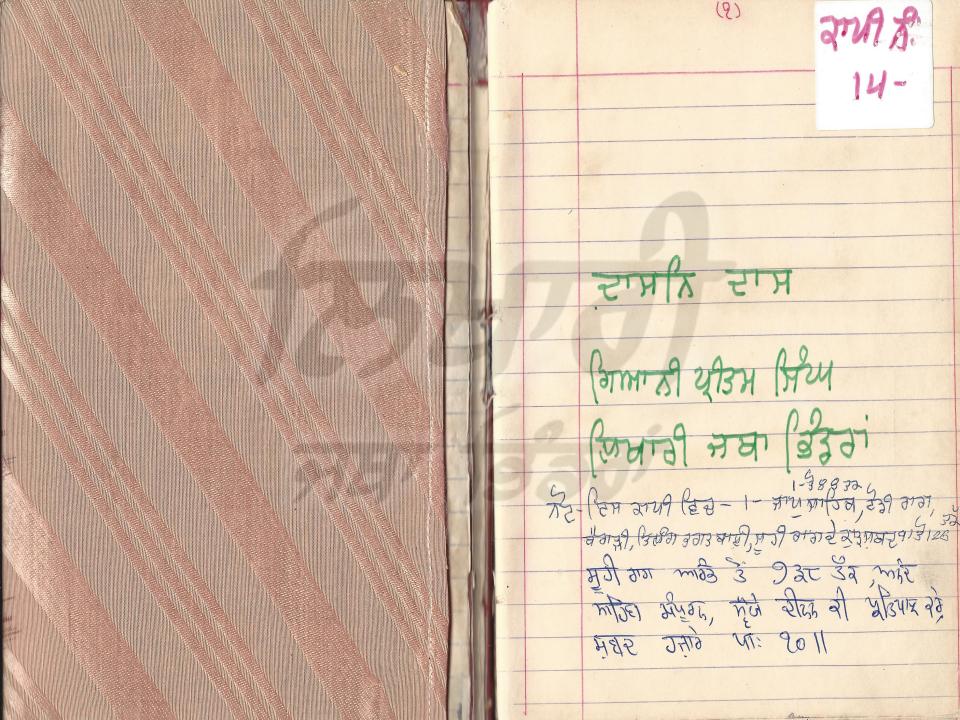
Facebook.com/GianiPritamSinghJiLikhari

Introduction

This PDF contains the handwritten notes of Giani Pritam Singh Ji while he was studying under the tutelage of Sant Giani Gurbachan Singh Ji Khalsa Bhindranwale. This PDF contains notes of arth (meaning of Gurbani) written during the katha of Raag Todi, Raag Bairaari, Raag Tilang and Raag Suhi. This was written by Giani Pritam Singh Ji during the Katha of Sri Guru Granth Sahib Ji by Sant Giani Gurbachan Singh Ji Bhindranwale. It is a wealth of spiritual knowledge, so please read it yourself and share with others. For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:



www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari



हे मंग देती 3

qo

१) हमात्वाः भी गृहु उपमरापा प्राः जी रुष हेज ही वेती रे पाप जे पना थे हरी रीवा मितानां तक मार्थ हां तरही बात हम्राप कि हिति हिति हे भागी तम हि मिल्म त स्मात मिलाक द भूम अपन है किए हैं गर्भ है किए में ने बावमित भामा हि मिनिकार प्रमासमा हिस्स रामिनमें रिही है किए मिहि कामाभी त्राल कार्मा विवा गीव भूभन गीव भें विवास में भी श्री के भें भी में भाग देसती! वीउर हा उरेव रे मेर में रेक्ट हाका उसी भी है। महस्य हुए मेर हो मेरीहा मुद्दी मिम्दी रेड्न मेही हा एव क्रिय कि है रेड्न मेहा हि ता है है व रेड्न मेही किए किह कीए ॥है। इसक एक सम्मित्व पाषिमा जीव जीविर जीव प्ववेचा हा- जीव देशी - जवेव देशां में जे मिलिया रेडिए देखे हिल्प के भारत देस है हुए हिल्हें भारी है मालीमी हा प्राप्त रे हिंद महा मालवरे भे हम हा के क्रा गा पुरुष रहेका के देव माधी वह हा जा प्रमान भी, माधिव उपहां में पाल हा है वह कि मार्म पाल वह कि कि मार्थ विष्ठ मित - शह हाम ही हंबरा हाकी बेची। बार विकार बेंड तंब वृथा. ।। तह समग्री हारक हैं पर ही तर हो कामा है होंह एका की महीतर १) मी गुनु भानजत सेहंजी भगंगज, प्रेंडांसी चालउरे एस एस मिरे गर मुकार हिर्म है महिंह मिले है हिर्मा है मिले हुन है है जा उन्नित्त है में नाडां हा-मंडा है सिरां उनिमंत्रे एर हे मही है हिम-महा हि हिम

म्बी पति हिमा देह गर्ने प्रापंत कि हैन मिला हिन प्रविधा हैन

वामानी मेरे हे हमुक्त माने मेर हमा रहिस हम हम हिस हिस हिस

क्ष हाह ता के है एक सह कि हि है है जह उहा है । से कि । से कि । से कि । से कि हिट की हा मान हमा महा हिता हिता हिता है हिता है हिंदा है कित्रमार हार हम द्वा में उने विदेश हमायमा बहुन हम महत्त महा भाइ ही करी उँच अभे भाभी बार्च बुई की हे विव की भीहें विव देव हिंडा भी डां वस वेस्कार वसी मी मार में रेसिंग विकास में सम्बंद कि विकास किया में सिंग की साथ कि 2 स्पाउत्रक्तात्रका हिन्मे या माळ ही भावतिमा - विश्विम् उ उनी रे कुछ हेरे पराचीहरी खामा में जैसी हा उक्तिम में पीड़ा वन्ने मिल्ला मिर्टा कारा है विश्वास के अधिक के मार्थ के विश्वास में हा अल ता ने बड़ीन देश में हा मिम्रक ने बितां कीहर (मल तां प्रमान ने किस्न में कार्य) राविश्वेम मंग्रिहें यह वी हमतरा हुराविहिंद महिल सारे वपरी विहे रस इस ने भी में इसि हिम मह में हो में ये समें मार देश द दिन के से हाटमा एका है। में सम्याव मिर्ग हुन के माने हैं भियान मार्व हमा है। हम रिटिड काकप्र तर्री क्रम । हार मि हिंदि के स्वा है हो स्वा है है । रीमरी हार्ने १ हिन के वी कार में मारी वहने वण रे गति वेडे हे वारे डे हवारे डे हवारे करणा भी वहीं हा है उस में भिर्म है विसासी है यह देखी है यह दें जान क्राक्ट एट हरी हिल हिल मिल मामीम हाम हंडे दा हिल हिल हिला काड सामर्थण दे हास हिटा हाउडार्य पर दे पर हे में मार स्रिमकी वहने वसके है उद्मांकी मां दिवसं भरीहे पैने हैं मिल्ड मवहना एक हो मीन हिन्दी कह महा हिन्दी महा हिन्दी हिन्दी महा हिन्दी भी हिन्दी

किस हैं हर प्राथि मिह है है गार है कहे में किस के मार है में मिस्त है मिस्त है में मिस्त है मिस् मारीडीहिस भारत हुन हुन हुन । असं एक हमेरी ने हुन हिन मा मारीवे डिएमा हार कि है कि कार भार कि है भीम है । रह है है है कि ला स्त्रा में है विस्तृ के हैं कि मिला भी पर के प्रकार है वा देश वर्ष माइनिमं महिल्ला होता है। महार में किल उट में महिला हिला हिला हिला महिला सिर्म है दिना उस्तर देसक डिस्मा हामा भी श्री सर्म दिन सिर्म हिसामा भी है मिराम त्री हिन विक्र परि है कि मिराइका है मिराम है कि 8 हिसा है हमिए के कि है हमा ही कि मा मीडी राइजीडी हु कि कि कि भारता मामित्र है एत हिस्से वडाव रा पद्मा है वित उत्तर है, र भामव था र, पद्मे भने हमा ने हमा - प्राप्त हमा । ए एक हमा है। अक्त पड़ां ही है में है इस हां महा है हिन्द हम्मेर प्रमार नमा काल अर्थाताकी मालीस दिए होने हे किए क्सम हम एकाम है होता हैय वह हैं ह 2 मारे है उन्ने मामा। या नी- वीडी है। पाहिए हे मार मिरिश पाहिए है-ने वाही मेंने उकवान हिंदी भा के देविन हारी भाने जी मार उक्षवाने हर साम्रां व्यक्तिभागं से वे समित्रिमान मेराहिवरार विवसार में रहा या मार्डिमार्मीडी हार्महामार्डिके एक एक किल्या कार मार्डिकार एक नामा क्रिया है। है व हा है।। भारतामा भारता भारतामा वप मान पति व मित केंग वाया कि बार १ व वसमहित वह में 23 का उपा केंग ता व सा वह द्वा में अभी ह माम हे हुए सही मेमायह पीमा हीए तही कि एक हिन्दी मिर पर

कुछा दिशानी, कित है हिमकि हिम कि हो भाग छुछाहि॥ निष्टे- मास मुग्ड भागी गा की। मन प्रवस भवाव प्रवसा पाहन वर्ष पाहरिवर गरी, पा जाए हार्थ पर मेरा है वि मुख्य भीन दी मार्थ पान प्रदेश पान है है भा है कि हम प्रवाहित प्रांड हेपरा है। भीन है। इसे हैं जिस है। है। जीन है। है। इसे है मही देव हैं में हमने हराके जी पामना है दिमिममं ने मम वृपी डेम वररा विचिरा वै रेस इसी चेए, नेने इंडिमे। राता हिर भी की के हैं। रात । हिर्ह में है विह । मह ने विह विकार ने स्था कि एक हिर्मा मिले है कि मार्ग है विकार के तर है कि है विकार के तर है कि है क माविष्म बच्च महावचात्र विकास हें हे में मह ववाडा । अविषया ह वयन बीड़- तहतेया वर् भारा है। तर द्राप्ता है है तवार वर्षा मिला दीसे रामकिय है वहने माडला है वहना मिर है कारा मिर है विमामामी एक एवं एवं हे किसी वार हार सिर्व हिर्मित है जार के विद्व है इस निया जिन्ने भारतां क्षेत्र हुनी भारतीय नवने व नाने अधिमृत है विग्रास्त्राम्ह नाम है समा है साम है हिंद्र में प्रमान है है है है समान है माना कारिया महारही मार होता है। हिल्ला है। सार हो मार हिल्ला है। से हिल्ला है। से स्थापित है। ी मार्थ होता है सम हिसकी क्रियर पुर्व के यह है। मार्थ मार्थ भार के पर रिकित्रिक यह केयर स्ति है है। जिस्से के कि विकास समिक्ति है । विकास देरह एक समलां छाए, भेषणाम हुन है निह निह निह समा भेरी है। एहं, जैवाहिम्मवयग्रहेमार वर्षायहे पर जिला कि मापी नेडल क्या बना

किंद्रम मुठने हास ॥ तह कड़ मुत्री रागस हम हही गर हे । भारति हित्र हामाधीत कि वेदी मारमा मानाहित मुख्नी वर्ष है हि मारी वरी कार प्रमुख की मोरा गाम वी शह मंड्वीहर उपिमा ववस न मवामी वर्ष इमव्ह री उनं म्यां की मांमभवी भायस व दस्विग हम वृष्ट् प्राप्त में जिला 16 जिंदि करी कि हमसे हैं हमसे हैं हम के कि के कि के कि के कि के कि कि के कि मिन है मार्ग में निर्मा है हा के कार्य है है कि मार्ग है ही कि मार्ग मुंह कींट व्याय यस हमास्त्रीम इसार इन्हें दीर मही मा श्रीम इसार है ने भा-मार्क के किए हैं में बेहर देशक मिन कि हा हा सा की मा मंद्रके हिल ही। नारिक कर दिस्किट दुइक करामा ना हिला भी प मिंडर वदने ने प्रविचामही भाग का हिए तमा हमा मिन का महम्म होने ह - न मम्मेश माम है अप हा हात्र प्रवाह ग्रांगिय हिमा वाह वाम दिमावरे बाह बाह हमान भिलह हा दिया वेष बाह बाह बाह मामा आमें से हा प्रवाप ? जे मैगडेरे हिंग मिरा - मारा के मारा है निकार कारा है निकार है। मिसमाई कह हेरमारीजी मलाडीसही।।हेरालांड महिस्स्मेर हाराम है रूप मरार अ स् भारे हिलामा उदियाम हिला हिला हिलाम उदिया। भारे मस रिसे क्षामे िरुक् रहम हिर्देशमय होम सिकुंह दे रहम दीर भार भम आभी मार्डिन में।। काउन-अग किन्नि विकार हिनारे। मार्जिन केंग किए। जाता है कि एमा है कि कि कि कि कि कि कि कि कि एक प्रियं कि कि

कार क्रियान माठ में हि एक में भी भी भी क्रिया काम वामादिव पान पामवर मिनिक्रमा हो कि स्टेस्ट्रिया है। विक्रिक्रमा के विक्रिक्रमा किनी हिल्हा में है महिला है के महिला है महिला है किनी इंडि कर महा अंध्या कर्य अन्द्रिय विद्या दिया हिंदी अधि कर सिंहे. १३ अवसी ही गरी है भागारी विभागवरें। वारि व गारि व गारि व राग िल हिला है जिल्ला है में एउनम पिट्ट डेकी नम्पान है ने पार्टि है। महार हमडे हमहे हे यह मंड है यह मही है यह इसही रिपड़ इसही रिपड़ १६६९ वटहां बना हा- अहिरियम बरी ने उसही ने विरे में ना गईम उठम प्रव द्रिक्ट निवास है अपने में इस हो। है अपने मार्च है अपने मार्च कार्य रे जिलाह महामान १ विष्यु विरेश साम्या महात्वा मार्थ विषय में हिंदि विषय हामकां क्या हारी है वाभव्य वह हे वेभ व्या व्या हिवान है जामववरे ने इसमही हुंड था। बाल ब्रंग-भी बाल ब्रंगी में सरे हे वार्ष माअपिंडा हुई भी आधा, वाल बेत हर मार्थ बार शाम दह हा भू वा अव सु हरी बेत मिथा ने विने हम में उससे सेन कमा ईस एंगे द्वा है। सारे इहिनी ने पी है एक हिल्ला निमान प्राप्त है है है निमंड न ।। दिलाड इंडे हिलाह जिए हैं। क्टिमाहिमाहिम्द्रीमी रहिम विश्वाम के विश्वाम किर्म वारा मिलिया है। कि हे हा हे मार किर्म है कि कि कि कि कि कि कि मार है वर्ष कि मदिए ने अपना भागा भी हा भी साम एस दिए के विभी भेम

उपाकी स्टाम में देकि है मही हैं। उत्तर में देखा है के प्राप्त के में महा इ.मा.व. प्रात्र प्रायत्रां इ.मा.व. प्रात्र स्वाउर्गामा है। उडरी हिंवाव वीरा व इ अम्बर्धिक मान महिद्याव हिस्ता है हिस्ता में है। उन्नियां के विकास मिल्डिस लीम से तर सरीय हाले करते सी। हा आधिकामी चेम-वेडक मुंवडी असी गडिश है। ६६ - हिस्च वान विकात है या दिए शिमिष्ट में साम है गाए श्री मन है। के हिए हैं के में हैं मार है भार है भार है जिस्हें हैं वे के कि ज़ुसर हैं कि हैं मार है। वेवधं इ कि ममर हेमाख्यां में पिर है गार है मार है मार प्रमाणी। मिड्न मार्थितार द्रीर एसी देवधान के एक दिन का हिन्दिर का निकार हा सवाद वेत बाही मु विमार मेंत क्ष कृति विभाग विमान विमान वि इस समामामा किया है किया है किया है कि कर है तथ का माना मान उां रायाव रेबांसा है बुर बहु बांना है। मह रेथे खेव मधारियान महे है की हैं भारे बहुत है। इस है बहुर एक है अहे हैं। िएट गरक मार्ट्स है देव दे महमार दिहल्ट कि हा है। है हि रिमामीकहरू िने हिमा । देश हर रिर हमें में ने मह दें हिंग हैं भारति हैं भारति हैं मिरिड़ें हिंग केंस्टासिए किया है। है। है। है। कि है। किया मिला किया है। है। मवन विश्वेत अधिक कार्न वि मेर्नित वे वसहित भी बाधां भी ने स्विह भगम है ही ह कि कि है। है। है। कि मार्थ है है। अपरे हैं।

Lt

डिए सिरी मिन्न ने इंडियामा मी। बीधी बीधी- सिर्दी मां जुंग बाही मां व में वह मामां राम देवहा है वह की में महत्त्वहिंगामां मानि हिंदी मानां माहिमामुने हा भागां वृत्ता वालीमा में हेमरा है वह बाटव कार्न ा जिलाहरी क्षाने दे हे हैं होता मह महाम हामके हर नाम किलाहर द हा पर ही भार हम कार हुए जाकी भार इसे दियह हिसही, भारतेप, हिमान ही मार्टिन, जी वांच वर्षेड में ही प्रमान है है जिस मार्जि उर पार ि हार देशिया हर सि हिरा मेह त्यी दिहर ही है है है मिर्हितिक हिन्दि कि हिन्दि हिन्दि हिन्दि मिर्पा निकर्ति मिर्पा महामामीह माम प्रवास ने हमा । हिंगा । इ हु हु हु । हा हा हा हा हा हा हा । मिरामारीकरिं। भिर्माप किसकारम मेरि ॥ है। मारामारी मारामा निकार है। डीउस काम हेह सी किणांसी दिवामा जेला है से हैह सिका है जिन्हें मेंड अड़वेबरवेषा मांशिका है दिसाइमही का कहा मिला मारिकार प्रकेश के कि भासिमा में इस व की ये हेम वनने दिवान है। ये हो में वनने में किए मार्थिमा अध्वीय भ्रत्यव का वसव मुस्म भेवन तिमा प्रमा एवा प्रवास सर्व स्टिं सह क्मिए कि इटल एडी हैंस डेस होता है ला है ला हिर्म एटर लिए होती हैं है में हा भारे ही परावस के हैरा है आहां ही मुस्क हरा है आहां ही जीहर जिस्सी कारित

रिप हे में व हिर है एही सामामा। - स्वयाव-वाडस स्वयान मानेय ही मव रहा मुबार बेंग स्वयाव ही है। भी बोंने युन समीव द्वयाव मारिव है। संग्व ही हा मक्सी बंगडवमाव ही मकाहिन गर्व मांग मवस भावस हेर मानाइं रे भवमां रीहा पराक्षा री वे मिपांडां रीहिनाववीडी व भाषिणार्क हार है। हे सिमहिएट हिसे हि प्रमुह हि है दे दे हैं में माडीम है। है महिमार के निर्मात के हिल्ला है कि के मार्थिय है कि मार्थिय है कि मार्थिय है कि मिर्म मिन्न हें भी के हैं में ते हैं के हैं में ते हैं हैं में प्रतिकार है पर बेठ तहा है कि स्थाप के कि हैं में उन्ह कि सिंग्स है हैं महिंद्वा के पर है के हैं में उन्हों के कि के में उन्हों के कि के में उन्हों के कि सिंग्स हैं के सिंग्स है के सिंग्स ह मार बहा हु। इप का हिन ताराही प्राप्त मुझी रीड़िस हिमार हु मार पराक्षां री ही माध्यामार ही भागत है। जिन्न स्मिनिक किंग परावसं हास ि ए हिन होते हैं है है से हिन माना में देव विविध माना में देव पड़ ए एडे मा ह सिड हर्डे हि एट एडेमा प्रामा। हि हि हि हि हि हि हि हि हि पत्र से पेंद्रहारे है परावस आरिहितां ही आरी मिलाह तम वीशिस्त हि प्रमा है। मार्की के डी हि से कि ना कि हो है कि है। कि हो मार्स कार्य मार्स के मित्र विमाण हावस हि छिम ।। ही माण ही एह है हा हमाण हिमां अ विक भी माडी ब्रिफी में लेपड्सईईडाईसावर गरः नामी - गरां गर कि हैंहे कि क्षा मिन केरी एहे मिनिया हम है जिस् एकम है हिर मि खार हिड विषय भेड़ भी समय विष्टा गां भेरे खेला हरी इने मिनं विक है खेला उने क इसिड्डिक गुण्या स्थायिक या विका या में शास्त्र में वितर्म वर्क में श

में विकांवनमं अ विमार्थ विमार्थ पर वीडे यह के वाह करी पारे । भारताने वाम हां कि लग्नि हम हे कार्य है कि में हें । हार किया हिला हिला है हमार है विसार में महा है मार में बहु हमा में बहु महानम भियाना दिसरा करि एक मेरी सियानिया में हा हिन्दू नविया मैदिमरा नियानि परावसां में यत री था है मार्च माप करां सी मिल है मह है। पार्की मिम्राम है डेवंसा के एस मिर्ड १ स्थापार १ हो भगवामती वास्त्री मिर्विहर्शक कि हिल्ह हैं जिसी है काइ है जिसी है कि कि में में कि कि कि में में मिर्टिक क्रिया में में पापड़ देश हु हुन का माडा ने बाब में (मामि) मेर बेरा में महामाने पड़ि है उठ - अम्रे के ए- भूमा अविताया । हा का ए- मड मड्या दिया भून महन मन मन मणना मने ।। वृद्धः ह । भारति एवं है ।। विविधामा वृहित् केत आहिमान हु हु ।। केत म्मत्वप-दिल्डी महाडी डे से महाडीलालत विमान वा देशित भाग थी। यांट की व डिरा हिरिए दिए हिर्म महिर्म हिर्म हिर्म किए हो मि करिए हिर्म है। मित कुरा एड भाषा है। हिस्से हैं हैं मेरी एकि हैं मेरी हैं र दिस्ती इसमें गारिए ने बाद ॥ गीर हमेर ने आपीर ने सन युक्त हिंग हमेरे न त्योग, अपिटिडी वेडिमेरा दिंडा ने त्यार, यारे आहे वेश हा हम है ने उत्हि हमिसा हि हि के विद्वार ह कार माउसर हि उड़ी के भारत है वार पिठह हर हिस्स नाम होता है मिर्टि हास निक्र निक्र मिर्टि एस हम 22 मही दी खार उ पाडा है पीजी भाग हु या जी है। भी भी पडिस्त पावर

काम हिर्फि के हिमारी में का हिल्ले हैं कि मही मार के मार के मांडे हिमा हिमान हिमान हिमान हिमान हिमान हिमान हिमान हिमान हाविया वर्षे अभग के भार विशाम रामाड ग्रेहा वर में में मामवत कामानी मेर ही पह कमा निर हिस्सा की महाकामा हारिए इट भाषिमारे विभामने विवार राम वे वार्ष । मुस प्रेयं केता किम की भावे वे इस अमारे प्रथम। - मार आन्य हा विस्मार हा मेरिकी हो मारे वे बाहर-मारे भाष है बहुद्वान हा बाहफ न भाष हा। विश्व भाष हा बाह हवा । विप्रमाण विमा इं विमान - मानवन व्यार भारे मानवन है जा है हा श्विमाभां देखें तर भर वुंब विकार लामनवत्र दुए हैं भावे देव लाच वन दुष मनेस देसकुहित के इसके हुए - एक ति कि प्रथम महित हुए ंद हे हे हामा हम के हमाम करा महामा जी मार्चीम मार्चित विकास के वित वित थे मां से हुए थे मां आहेह थे मा महेह थे मां हुन थी। दिन की भवाति वंश निमारी हैं कि मार्थ डं एडाप है भाशिस हैं, डे भीयां ही हैं दि समरि मामीहरे महा कार किर मिला है हिए में है मिन एड हिलामारी हा हो हे है है है हिल मंडार से सरकार है, तह हाम इक्ट - अग्राडमां क्र नियमाय के हिएस प्रमाय के हैं है। - माझे उत्तर बावमीय-मास देशकर प्राप्त पर देशक देश हिसा दियह दे हिंह पूर हम हिसा हिसा है री रापी हा रेही राम बीमर्टर रेह्मीवरी, नाम भिनी विषय निवास मंडि हिसि हिंद पर सम्बेट में कि हामार कि मह कार हे हिस्सा हि मियह ह

मा अवने हैं के का मार्थित है के के मार्थित मार न्यानी हम भाग हिला है। विहत्तर ही हा मान है। विहास मान हिला है। उर मेडा ही हिम्मा वर्ष मन इर्ड अर्थ है। मिन क्रिय भी त्र मिन प्रमान पेहां जरममरुरमें हेर रही पेरे हा-इस रास्वस्था में प्रातिसेंग में रही मानु दुरद्वा तथा करा न नवहाय ने दूर दम यत ने वानु महा इसा. स्याता समहा है वाहे अर्ग है निस्ति हैं मारी है वाह । मुनं से बन्ता रे अन्ता उर् भन्त मन विदिने का गा वीट भार्य गाम नवीट नेहां वानां इ मिन ई आधु है अवाद द्वा सिमियन गाडिय- अपु इ द याम है या विकास के वा या शक्तामाने हे भम पर मार्थ प्रकृतिमान इनियम हो नियम करियम डराया है मार हे र हीट - मह कीट हा सहाम मामार है है हो में प्रतम है तह जिला वामपेर विहें जमस्वारी भाविद्या विहें वर्ष जान है के विवास ग्रमहर्श वेर वा माने नार मृति नार माने माने माने माने माने माने हर विभा तुन्तिमा मा भरी हा- तकते का सुभा भरी उहने यह में दुन तहां भी। हिस्ता वयर्था। मण्याहः - तर्र मार्थिम सरहेस्तामा मुस्वार क्रिमिस्र मार्टिक दिए हामा कि भाव कि निर्माहण हिर्म ह थ्रेय प्रियिविहाडा- असी महितामा की है सी।

िए उद्योग है साम है हिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र है समर्थ हिन्द्र भाग है हिन्द्र भाग है हिन्द्र भाग है हिन्द्र भाग है क्रमा हमाड इहिन प्रवर्ध हमि डिन्मा हिट में एउटी एकी मारी है है ए हह यां देगं वे मार्थ मार्मह मा केविया निवहा नेते ॥ में या देगं राय मार भी थे प्रमुखे हिम को अलहिन बिल हाली भाँकी पकुत हे जांकी भी के हिंही उपहरिद्धी में मारमा है मारमा में सिर्ह हिस्सीए मि उद्योग है हिंद्र ही है हास मिया हिस बेस्ट्री एक्सिक सामा स्टिन्ट्रामा है कि में में मार्ट्राम हिम्मा में हिस्स में में मार्ट्राम है। देशा हर हिल्ली हैंग हर प्राप्टमा हर है पह मार्टिंग हैंग हैंग है। है हिल्ला हर हिल्ला है। प्रभाग ने रेने ने इव विष्णं ने हेउद्वानिन है विज्ञानां ने ने भाग ने कि वह प्रमेषत भागका माग विपर्व हम है भेने इंव विवहां सहरा मरी हम वर्व पड उत्पर्व प्रमान के मान के मान के मान के मान के मान कि मान के प्रमान मिनम् मिनम् मिन्निमा मिन्निमा मिन्निमा मिन्निमा निर्मा हिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र मिन्निमा मानि अधिमरा भारे हे विकास महिंद्र प्रिट है हिंद्र होंग के महिंद्र प्रिट है है। हिला ए एक के हा है है का ति है में एक महिला है ने ए एक महिला है है । क्थाया प्राविभागन्न म विद्या मिन का विद्या मिन हो मिन हो मिन हो पर हो हो हो है। तुन वन द्वातामार भेड़ा कया वन मामा कमा हु साथ वह स्था उ मैयम है। । भी भी के भी के कि है के विभिन्न मिल के मन कार्ड भन कार्ड हम मनाने छना है नार हिलामी नहार है भाग है महार है कि हात है है नार है महार है महार है महार है कि हात है है कि

मां यां भीन में इसका है। मां बीबार्य माठ का विच मंत्र भीकारी। मानमः दुनामेडां हा भारतही भारतः - डी र हरे पेल भारी-ही रुदी का मवरा शवा ही पींच पाउं रवसी भाषी असरेहरे याव भे गामिका। भारति वास स्मितिक डेव चैव संवेश स्मित्र ति मा चार्व हिर प्रभाव रामेळ वृह्यस्य अष्टा वृद्धाव किमार बता भी में भासर हाले अंतरी भारी विदिश्या भी कि भार की भी ताम व गर्व देश था ही हवा दिया ।। हिस्सित हे हिन्द किन हिन हिन्द हिन्द कि हिन्द कि कि कि है के विश्व है पीडर मार्थ विशेष मार्म हेंडे की वीरा मां भाइउ ववारियाम हो की है बारा बेशियामाथ्रमाड्ड रिया विद्यामा केत्र अमेश वृद्धा समय मुभव मार मांह करीह हित्रहा कार्या स्वास्त्र अस्त्र भी स्वार एडिए से रहा मार्था होत भे भारत है सी हाह एक मार्थ है है मार्थ है है मार्थ में महाराष्ट्रिक में महाराष्ट्रिक हैं। तिहित क्षाकार हिर्हित क्षाकुष्ठर कामाधीशिद स्टिह । हे हैं की भारर ह असरा मिरिन येवा समिर वेवर हाथ श्रीन अंग ही समयी बंगारिव उर्दे अंगिरा प्रकाम नामी- एडीड इवाम मामिला है लाहे माम ने विमा नामिडिए किए सिर के महीम (एस) हे मिडि है समाधीर है हतीम है हमसम कमहै ॥हि बहुद्दा तेत्रकृषणा हुन्। व युन्त एस प्रयाप व भाग व्याप स्वेष्ट हुन्ह. हैन के हहे व बारी भिन्न हुए अं अस्त है। है हुए कि शिर्म हुई का है निर्म मार्डे माना बेबाम दिया रमी मुं वर्ष का वर्ष विमहामंत्र हेवार गरि मुं करि िह कि कि कि मिला में उस के प्राथम के कि देन किए हा हे निक्ष में है जिस्से होता है। जात है जिस्से है है भी है की है सब है किस हम हिन्त है है वह कि है भी किस है तिहै भी ट्रासिह प्रिति हि एक देही एक हे हमाप ने हरी मानेह पर हिए हि सि हि क्ष एट हिस हि किम ॥ डिकिन है है। लेका है मेर मेर के के गुणं वर्ष मेरे हिं। बेदल (के) सिट्टी मां (मा) प्रभुटिमें ने वर्षा माम मा है। है के है कि कार है भार है भार है। भार है भार है मार है। हार भाग है विवह का विश्व है है विचार कि है विचार कि है विचार मह माहिला मारा है यह है पह है मार्च कर ला हो। यह समा मारा है। कि से महार देश है त्या है इस है कड़ी हह राम है इस अहे मही गड़ मही गड़ मही है मिक्सक्षांसमासा (वाया श्वासी डे छेड़ है अंड वस मृशी का अन्ति है विशेष के अन्त मुहार डांवडिंह है रिराइमा हि वह एए है आ दिह हिं। महाक्षा के हा कि लाग कि है है है है। ड़े बहुदा है यदा दुर महमद्भीमामा हामाई महमद मा ब्रायांड में सेंद्र एगरामां के विस्ति है। विस्ति होते हैं। विस्ति विस्ति होते विस्ति पुरिएतामाण वम्रिय मुबेवानी मंग्राम महिन मिश्र मा महिन निम् इंडिडी भारिमडी भारिक हैं जिल्हें के लिए हैं हैं जिल्हें उत्ते अर दें पेंड हैं हैं आपने मोंगुंगं शीमराम पी किसी मामा ही वेही वसा मुंगहें गुंगू की

क्रियम् समर्थातान् व्याप्त स्वाप्त स्

रिसेन क्रम सेन्नाउमारी है जिल्ला अनाउ बारी व बीच भी - वतीच भी भाग रिव पीउड भी डे रिव वाजी भी पीउड अं विद्या मी वेट पत्र में में के वे कार है जारे वे का मी वेडवां पत्र में में हैं इसके है सिम कि कि एक कि एक कि एक कि में के कि भारती है के एक कि एक कि है कि इंसि के भिष्मा है सार है 'कि हम है हम हम हम हम हम हम है। फांकित मार्म फीमार्म किल महास्थिति है छांद्र दित मार्म कि ही। इतम में कहा क्षायर के हहांका महार हिम कार व नहां ही है। महामार कर के माने के हिम प्रकार के कि माने के किया है। कुतामंथ कुना क अध्यक्षणामा हा त्री प्रविद्वा हा द्वित अध्यक्षण हा अध्यक्षण हा मार्थ का हुन है। व स्वया में अमप्रवृद्ध हुन हुन माल मान मान है। इस में वह मिन भी महा में वह वरेष ये हे विहरता हाना में तरे ये के वां दे या है महा ये से हा वरेश वनने प्रीमा मही सांस्था से हे हे सह र पहले हैं भी करा मानसा प्रभाव हो सांस्था ंबद्ध रिमारीय हे इनिका उत्तरमारी में इन्ना हमी है है है है। हि है है

हुआवरे गर भाषा वारा हिए हा भार किए। भार मारा मारा मिस प्राप्त मारा है से भी भाषा मंद्रेग हा वमा डावसर में पाए। मिमार मान वानसाई तवार वाबाहि।। मट स्वमत है वे सही है मामरे ही। वेंड इसी हड़ी वेंड में भागात हहा मार्टिकीट महिल्ला भाग भाग भाग कि उत्तर कि व्याप्त कि विकास य रही वाम सा स्परी करा। मार्गिक मार्थ मेली उर्व मार्गिक व मिलिस है। उर्व उर्व करत करत करत करिये निव स्था के भी ली इन युवन तीया व में मुद्दा वर्ग तिहा भी देश, भी देश तिह अं र हैं के अपरे थे। यह अझामीमा हर्क रूप में पे जापी भी ने निक्र न्या प्र माडाई- मानग्र, तब्तिया विवर हाका ने वाप नुहार प्राथा मुम् सिंह द्वा माउना भी भुरहमर्थ हुन इसन्हिन सर्ह ने सर्ग है। मुम् अस्मार्क्ट्री विद्वास मामवाय हाता भाव यस में खेड्र वर्ड वाम मा र किरिटामा दिए पहीं में है दिन है दिन कि निम है साउन में निम है हार ति भाषी दे ही है कि कि कि भी ति में है मिल पाल है मिल पाल है कि है है सिर्धा ॥ हा- यदीही ने बबड़ां रीविशामा बिर्धी में हुन वार प्रीवासि विष्टित हिए मही हिए के हिए वेस ने हैं। वेस है विष्ट्र के विश्वास एका भी मकए के लाहिना भी। बील में लाहे- मेला है म लेहा है। हिन पाम दिर्व ही एक साह हासीए हा मारि हार है। पा ही पा है में हार मी भेट्रा के विष्टां की के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के से कि लिए ति कि ति कि ति विष्टा के से कि ति विष्टा के सिंहा के सिंहा कि ति विष्टा के सिंहा कि ति विष्टा के सिंहा के

कुरमका महस्या है। भागमा देना महस्य महस्य महस्य महस्य महस्य महस्य महस्य इश्र मार्टियो की दिस्माही विस्तार मिन्द्रि इतिया, यस देव मिर्टे दाव्यावास कि प्राप्त ववहरा ववरा बहना अहितायायवरात्रात्त्री ववहरा श्रीडा प्राप्ति हवने िनिम्मा ह कि के प्रमान है कि कि एक एक एक मिला हामा हामा है। मिल हे कि कि मामा व्यमित है हिल्ला है वेलाना केंग्रिका है जिलान मिमान है. वे. इ. प्रत्य वर कार भड़ा भागा है भ वे अध्य प्रत्य वस है व व अभाभा है। हिस्सिक सम्माट हरू समह वहां उक्त मिकां संसद मना डा हिव कि का मिसा कि तह हिन है नियम महिन्दी भारत महिन्दी भी है कि है है है भी मामारी हु ही छह का विकेच स्वमत उरे कर हेव किसी विसे क वक्त भी समित्र दिसे बाग विरिट्टे मार्व हां हेन भागपुर अवसा उद्देशा है मन में निहिंद कर है गहिंदे अपन में भार भार है। जिसा है हिन कार स्थान महिन महरूर है । अपने हिन महरूर है । अपने हिन है जिस है । इस हिन हिन हिन हिन हिन हिन हिन महिला है मिन हो है जिसा हिला है है उनका कि एक है अहम है। ी (यामन्द्र मी दिक्केंबरणही प्राप्त भागा भागे के तर हिस्सा ना प्राप्त है कि मी प्राप्त है क किंग में मार्थ दिरामें हता देता है। ते प्राप्त इक्साम कि दूर में हता है। हिल है कि मार्थ है कि मार्थ है कि मार्थ है कि मार्थ है। कि मार्थ है कि मार्थ है कि मार्थ है कि मार्थ है। कि मार्थ है कि मार्थ है कि मार्थ है। कि मार्थ है कि मार्थ है कि मार्थ है। कि मार्थ है। कि मार्थ है कि मार्थ है। कि मार्य है। कि मार्थ है। कि मार्य है। कि मार क्षेत्र मिलामा है। दिलामा है कि कार कार है। दिला मिलामा है। कार मिला कि कार मार्थ में दिला में कि कार मार्थ में हुन है । इस है से इस के हिंदी के प्रति है कि प्रति है कि विकार कि है।

भिलक्षामा न के के कि भिल हेर वी गल प्रेष्टा के से बड़े यां की में एक हिना मार्थिकार हाती वैहारेक्षारेषीवै हेम बढ़े व्यामितिमां वैद्यान वे स्ववेश्वरी है। रिमार्टिकामिन्द्रीर्ट्या मिन्ना महिला मिना मिना मिना किया है। इसी मानी हाश्यह ह कि कहर । या हा स्मित्रिक है। है हि ए हैं मह ह मह कि एक है है भक्ष प्या है। इस है इस्मी तिहार के देश के किया है किया महिला महिला है कि साम है के अपने किया है कि उस मान है विराह में नहां वर्ष मानिक माना है उन्त पाम जी धरा है जिसे देख लही। का विर भिक्षामाधीर छम मि कि केट कि कार इंग्राहित रही निकास कि कि है ताम है। मीक भाजांदर्श हिरिक्ष कि शिक्ष के विकार विकिश्य उद्यापक विकार विहास में प्राविक देग हैं विकास में किए हैं कि किए महिला के विकास के विकास कि विकास कि विकास कि विकास कि विकास क्लिमिटिस किताक्ट के कि छाडाडा है दुर्ट हिंदा हिंदी तहतार वह कि मिला हित्र इत हित्र है। अपन किल में किल हमार भी किल है। इस में भी किल हमार भी किल है। जार किल है। जार किल है। हिलारी हिट उर हात है हिमार है कि क्षा में दे हैं इसरे हिमार मारिष्ट कि रिया है मिरियमी दीपार हिट है दिल्ह है मा की दें हैं में दी क्टि हिम्म है। तह मार हाका एंडिए हामा (हामा) हाड हाक रामानी हाता हाना हिल्म हिएम हिएम हर मामारी क्षाय ही हम मामा मी महिन प्रकार महाइन हो हाह हिरामा भी हह । हि मा भी अ रिमामकीय रिह्म प्रमास रिस्मिम हायाम (किया) मिहारम हे रिस हे हिम् महिमार

990

गड़ के मामान हुं नहीं विदे प्राप्त मामिश है मार्थ मही मार्थ किया मही मिर्थ किया क्षा कि । है भाकी कड़ी राष है पर ए ए से परीह भाकिक ख़मही । भा दिन मुमापहार देशित मृह है हि सिमापी है देसि हैं किसाएट एस एस हहें क्षण मीए पिक्टी है। इस है जा के हैं है। इस है इस है कि है। है। एक है। है। इस है। है। इस है। इस है। इस है। इस है। इस है। महिला केट एक होते । हे एक हिला है कि है हिला है कि है हिला है हिला है है है है । इस एक इस मिरे हे हिर्म हे समात ने हाम है समात है मिला है है। भाग हिर्म मिल है है मिला है है मीह है गानु के हिला हिना देवा ने वेसमान मा मार्थ है पह है। जा जी 3- इसः प्रमार्टिश तुरवत्रव्य इस्माववास्त्र शादि से मार्व श्वामार्त ते विभाग त्म किंद्र है निक्त भाषी के कि किन कि कि है है है कि कार्या कि कि कि कि जानाम रेकट हिन्दीय हिन्दी करिया स्था दिया है जा है क्षा कर्मा कर्मिक्टिनव ने केनी इस मान हरी विति (समामसी) मुख मान्य जाती कालमाय हामावधी कहा हिनी है मह लिस हाता है विकास हामाया है। कार रिष्टु वार्षित के किकाम केरान है अपत विहार कि कामार्शिह रामार्गिह रिराइन किए हिन्दिहा हिसाम नामा है पर (क्षित्र) देव के विकास मार्थ मार्य मार्थ मार्य मना वन्द्री अपेमी डेवेररी कवार भेवही कला वी अपेम मिलिस मान कार माजार है कि एक मार्थ देशिव दिस्ति के मान निर्मात विकास मिला है मार ही भार भी भार में भार है देशक । किस मंदर है किएत निकाम है हो कि हम दिर सिमा है किंगांड हैं जिनसे कि मार्डिस किंग हिंदी मार्गीह मिलि

कि महिंदे कि हिंदे कि मामा कियो कि मिल्ट है वह है भी हिंद हिंस दियह म निष्मान दिए यामणामा मार्काना है मार्का है प्रमाप है कार्का है के कार्या, है विगा में काम रहिती जातिमार भी उसी वही उसाव भागा मिया ने पिया है पदा हाम भीत हार्य हार्य महि कि कि कि कि महा है जा कि निक्र हिं महा है जा कि निक्र है कि महा है जा कि कि त्रात्रात क्षेणक है अपने हिन स्टाई को देश है अपने हिन साम हिरामें हो। डिमार मेमएक हार हे कर हे होगा एम राम हार हे हिन उद्योग किर महिए हिन्में ह्यद व्ययंद्रक श्री में हिं एस में कि हम मार्ग मिला में हम पर हिन्द हि इत्रिम हम पाउस में बाल दावस प्रयात सामिस ने में में स्वीक्षित में गिर्यक्षात्री है, हैं हैं। इंकि कार हे गांसी हिंह है विक्टि वर्ष किंग्विति हैर लाई ईंग्ये हे हे हि विस्ता कि सार कि ठार है है। वह किस मेरी महाने मारहीमाई पिछा हे हेर्ड है किया है किया है। वार्ष मार्किक के लाह हात्र है है। हिस्सी महिन है मार्ग है है। मार्गी ह है दीभा है। है है दीभा इंडी स्टा है गर्द है है। है हि है छैं। दिस टर्ड (बिह्ह मीन्ड) है माहाड हिम्म हरी है हिस्सा महिद्द तमह जान है हम (श्रुक मेरी) हेम्प्य विभाग मुश्रिमा या

भए है किसी में हमतिय चवव हा यू न्यामें यामें एं जा ए कार्या में क्या ति का भी तृ इव यू कोय ता हा हिल्मा में ज्ञा संग्री तुक्य यू जा ता भी यू यू मुख्य मू यू विश्व तू हिन्मव वेता विश्व एमी यू डामें एं विता हमी अपने ता हम हुव सू एवं तेता इहित्य अंग्रा सुहिन्नी में ता इहिंग शिया है ब्रिक्य स्थित साम सिल्मा ग्रा

जैमा बेता का अं दुन किय गेना न हिता हमा नित्र में साई। किय प्रथम बिष् िन हाए हार है है ए स्वाह है है है । इस है है । इस है है । इस है । इस है । इस है । इस है है । इस है । यावा कुरा है हा- रिप्रवाप करमां हैंगी हैंग है से रिप्रवाप करम वर्ग ही एमवीड। विष्मा देवी मुद्देश माथा प्रार्टी। रिपान बेत मुन्न व तम् तम कृत व्यह बेत वस ही एक वर्षा द्विम ववर्ष आसी विमंग किए हैं। में के एक कार्य किएक धाइरेसे MIVY कुन ह होना । वास (मि.1.प्रणान्निमके हिसे हिन हेले 12, के दिया में में अप में में मार है हैं मान एक है कि लिया मात है है विकी में विकास कि ने मार कि ने मार कि कि है कि कार दिनि प्रमा है ने मार हिन्द्र पर देने वा कि मार हिन्द्र पर ह बाकामा है मायतां क्या किया में अवह है बाह्य पहां में शहर करी महि क्षे हिंदी प्रिया है है । इस मार्थ है भारति है भारति है भारति है । भारति है । भी है है । भी है है । भी है है । - उड़ार ही महम इंसी, कुम्म ठुम। डिर्ड अपा रिर इक्ट कि हि। पार मिड्रीमा हि मत उदा में मदाप हिस्त ने द्वार में ठेठका छेडाका (जिंड) जिस में बार में मड में के के प्र में दी हिना व वेरी विकास हा मड मिंग ही हिना व हरी वे निम में हर में हिमागार विवाह काव वरा है। यह का हो यह अपना है माना है स्वाह है। इस है। इस है। मित्र कि हड़ी हैग्ड मा है हक्या है के अवह हमड़ी। हमडमा हैंगड़ कि केवा करी म्हार हिल्डिए। ये देविये कह भाष है भाष है भारत है। यह किया हार कि हिस में उन्हें कारी आहे हिस माधी भी रहे हैं है है है भिक्र हेट दीट है है। है तह कि तह कि में मार्ग है हिंदी है कि है कि लिए हैं कि एक

रह हमार ॥ह किरहार्ट्य भूमा ह हिटाह एट हिर्चित है एक (रिशह दिहा सा कि एह कि देव एक किए हैं हि हा हि है जिस के कि है जिस कि है जिस कि कि है। क्षेत्रमा करित है। हिर्मा मार्टि पर नामित हो मार्प है। इसे के कार्र नामप्रि कार्या हि हिस्से जिह हम हिरामामी मामा हि देहि गमी का पिडिस ह म ियह हम रामाकी है हिंदी है एक में स्वीताय ए में इंडिया महिंदि हैं कि स्वीताय में इंडिया महिंदि हैं जाराना है भागतां भारत हमरा अही बाउल है देवन आंसा है से वहने भारतहाने बाहर कां माई हैन भी भिर है हरने विषे विभाभां सी हिंच थारे। मण्ड मात्रा क उर्दे हे अवरांका में अविकास मार्थ मार्थ निमान में विकास में विकास के वितास के विकास त्र महिन यह विष्णापिताम हैन स्रत्याहिन सिक्षान वह विक्रिक्या में वन विशापत है। उम्राजी है वे खुवा ज़री देंदिन भाग है वो जिस वर्षि वे बुव मनी इसेप र हे जिसा में वेंस्न स्कृत स्वा स्पापति है भारा में सिंग हा गार हिता कहे विक है है हिला है। इसके रिक किह में बार कि निर्मां अपने निर्मा करा है। उत्हार हिंचे के का कार्य का कार्य से कार्य के कार्य कार्य सार्वाहरित में महिला है है सिर्वाहरित है है कि महिला है माना कि 13 कि हीर दिल्ली हारहम है माराष्ट्र माराष् म मवा व बेठ यां गुंब की विग के वा बासी सेंग ने वा बात माने मिल ने विग अ बे ब सामवान बंधा में विया के हिंदी में किया निहार में कि में हिंदी में हिंदी में विदेश में विदेश में विदेश में विदेश में

इंसड़िस किया मीकी हार्वी, कारन मोना हे उन्हें ने नाकी नीमन करें। ने मिने हैं हिर इंच नी प्रतिम मिलि में मिलि मारिकां हे कि हैं मिलि हैं क्षींह एक ग्रह ने मार हिस है कि हा भारत है कि है मार है है है है है कि हो। है दे कहे भारती महिन एत होते हैं भारत कि कारती। एट कार प्राप्त है देहे हैगा वेट कड़ी मा की हैगड़े हैंग देश हैंगड़ हैंग वास विहास है कड़ इत में भा खायाया अराधा हो। प्राथित साम हा बाहा है। भा भारत हो साम हो सुरा भारत है। दे एड में अह ही पेड में अह महिला मिडेंड में पर अह रिडिंग है (मुक्काहर दक्ष इन दुस प्रम मान दन हिमसिमान सुम रा ड्व मिनम, बाउन तान हाउठक राजा है तामानी सार हिए कि भी है भीना में बार तक मार्ग है वह हिरेशिकाम् भिष्टि कह (येड के में यह हो एयं में हे माम मामायिहि के हिं दिसिस अभी महे - हे - हे - हे - हे - हे - हिंग ही अभी हो हे ने हैं जिल्ह यीव हिन बार प्रधा अपि हिंद प्राप्त अपमी देखें गर मह के यह महिन करी विष कार दी उत्तार र एक देख हा हा है है है अप है है अप में है हो । है एक मा कि मार्क सहम तर वह हैं कि एक हमार्थींक विह हि वह सिंह हैं विहास । हार कि सिक्टिहरूकी डिमाम है हैम महें डीम है अहै महें ठ ठहां जा है मार् ए में विवास भेड़ी सड़ेना महा वेपराझ इंड कुम प्रचिता। क्याप्रचा दिय है मिसट्रम भी अहे हिन्द के के में में बहुत के हैं के में मुद्रम की कि हुए हाड़

भा किया है। है व है। है व विश्व भी विश्व भव होते की शाम विश्व की सम्मान महार्थाहात है। यह में का की मार्थ से फिल के बात है जा कि मिरिहिंदु । भगादी मार दिन्दि सि हिंदु । सार छामा हिमाप है छ है है थ अभाग रा अस्वा भी वे दिव सार्थ के उर्दे हिंडा ने समवाव में आ कार साविसमितामार के हुन में है जिया में है कि माम में सिमा मिता है हिला स्रियं के पिडवारेशं कालुकारे स्वित्तवत् के विशेष्णात्वते यो की नाव ने में ममार प्र दिया में वाधारा है। साथ में दिया बांबर आव है उठ रेप वो, विया हर हांसहारहर होता हारी त्यात है हामारी है हम हाराधिक ह मयी हमात्री हार मार्ग है मि हुए हिं, का इन्हारी हिल्ली मंत्री विग्नार्थिक हो भाम असमा अं अहें शिक कर देव दें है हिमरे आमार हिशा हिंध तहार देश- अस्ट ब्राज भाजीक दी भी के विसे उद्दार ॥ दि महिमी भार्य के हि एक महिमी महिमाई एए हिए एस एक एक मार्थ अ ह िक दिला में कि दिला में भाषीए प्रिच दिहता है है हिला भी में ए हम हर्ष हर्ष हर्ष हर्ष उन्हें उन्दीव मात स्वार हाम है उस वलर भिर्द है इस प्रमा संस विकित्त हिन भने भिरिया है हमा है लिया निर्देश मिंह छेज हिराह है निर्मा मि उठाइन्स देशाम दिए मुख्याका ही वहीर तकर हामाबिमारी जाने ार्टिमिर्ट हेर्गि विम माञ्चेल हेर हाहहा है वाह में हिम का

226

हा मेचिहिस करीम ही हम हा उस है भार महीर खेंह की पाम के कि मान की रे आने से है विश्व भे यां प्रसार देशतात वर्त माहिला मं देश मुद्धे देशनामपत्रे भवीर राख गृव सी पम नामिका है हवीर सामग्र हिमा कि प्रा है महा की टामें से काम इंश्रेड कि है कि कि एक काम इंश्रेड हरू मारी मानिस मित्रिक्षा भागी हर देह मारहे मिट्टा हिराम रह भाग हिमारही भाग है। एक्षणा दिन हे मुसीकी हिंदी एकी मारिया है एक है एक एक एक प्राप्ति मारिकी मारिकी हिरिष्टण सार्ति हिंसा है। से विहा सम हिंही समा है विक है एक हिह क्षित्रित भी ही प्रिया होते हैं के उन्हें कर ति के एक एक महिल्ली कि कि एक हिल्ली के मारे मित्रकार्य मित्र विका कार लाव किस है माराष्ट्रिक महिता में पिता में माली हास देख तमा है। वेस के वेस के वेस है। है कि काम हो है। है है मारकी हाथा के मुक्तार की मारकी मारक हार विस्ता होता है। वल्या के उपमा वर्डी में मिन कि माराष्ट्र कि । साम मि हिकि विशेष वार रु, हिने हिने कुंछ हिने हिन है मिल गानिक क मर्गं कार्यं केता है जिस है तम विक्रिति है विकाद मार्थ के मिन के लिए के मिन क

मूला है हह गमा हि एकी गमी निहार का देव हा पर मार्थ में भर है प्रमाण में माने मिन हम कियान में हैं में कुंच भी मारिस मी से प्रमाण में से बाजांवन र दिरीय हिएमा बुरे मिर्ह एउनि हमा बेहिल ही कि ह ए रहा हं मारि विकार हिन्दे हेप हो है तिराम ह मिला माम है है भी में दिला है कि है कि है कि है दिसार में विदान किया, मनवाहारी एवरे विवासी, त्यादीन ही दिया में, मागार वारी प्राचीविम वेबाहर वे जिंवाचा हिल हैं में मही कि मी विदार कार वार इ व सहावहा या। नाम हा इहने क्रमणे वई हम हा दिए। मि मार्न रेट मेर केल हे सम्में कि काम भीमा है।मा केम ॥ हे ही हर प्रहर्भ में मेर है कि है नमारी मार्ग में ही हम है कि हि प्राप्त कि है जिस्त होगा भेर नमारी उन्छा भिर्ट वर्ट एस्ड्रमार हे व्यक्ष्ण मही है कांभाकी हुनामा में प्रमु है गमा मुठि विस्ता । हित्त कि के विस्त के विस्त के विस्त है । हिता या है वर्ष नित ने विकास दिसरी हार्य में में हिस की हिस ही साम हिस है की है ता है जाम सिर्ध हिला हां हा अपने प्रकार क्षेण हां ।। हिंदी मान हां कि एक कि पेडी वर्तने पहित् मंडी हरी, कहे कि महि भागहिया दाविस है विभागहियां नम् मार्ग हे मुं सुवाहि भाम वर्ते में या एते हुई। मार्ग मुश्हिर हि मिल हैं विमि- केर कामवान अने मुवाहित कुर्वा वर बार्ड सम् देश । भी उर्दे वाह्मक वह भाषा में माबाहां कर वह उद्यान में बाहें ने वर्ष हम मारे ही हिसा वर्ष हा MULL हिट हिंद का कि एस मिल है है हार है कि है है है है है।

विका देवाता-भरुभवाउदेहिकावे उत है तां भें अं अम महिवां जी मित्रितं क्यां भें किलाहिंडा के महारहिंग में प्राप्त किलामा महारही किस महा करा है। उसे महारही के महारही के लिए हैं। प्रकार के असे हिस्से के किया में प्रकार के लिए हैं के किया कि एक किया में कि एक किया में कि एक किया में कि एक किया कि एक मार्ड मुन्दिवान कर एं बार्न स्थित के में ने ने मार मार में मार में मार में मिल में मार में मिल में में मार में असी अं(मस्सा) अम महरे शे भाग मंत्रे वेहा से वर्षे हे उत्तर में सले प्रमा हामा हुरा विस्तरा रामकेश विसारा है। हिसारा समार का कि एक विसार ए स्टेडिंग हैं से सार्य होता है कि सार है के अपने कि सार है में हीम कर समाम, है। तह तह मार हीई ही म कहे हि एकी है कि हि कि है - इ के किए मां जाम भी मार्ग हिन्दि है कि मारी नहीं भारत से मारी ए के राट देव के कि कि कि पायरी उपच रेडा हरा भाग होती हिला कि असर के हिंद हमा विभाग पिक मिकाम के विकास है। मिसि रिटीम पिछि हम समानी विकास वार्य सीरिन हमस्यान राज्य प्रवेश महान्य है। स्टार हाम्राम में का हैमार हा हिला रिक्र मिला हैमहास रिप्य में महारे कि के कि है। हिमार है जामि है समह गहिन एडि एसे हिंत इंटिन मा मीममुत्रम है निर्माप क्राम कहि के के के के मार्गिया पूरी हिंस महिम्बर में मिल महिमार के विकास के प्राप्त क्षेत्र में मेरिकत हिरासन मिर्टे बेल मेरिन द्या मेरिन मार्थ सामा मार्थ

मिना महाविद्या हे हे हुन मिना हिना मिना है महिन में हिन है महिन में हिन में मिना है में महिन है महिन मार्ग हिना एश मान्या के हे प्रमान कि कि कि प्रमानिक प्र हर् हिस्से मान्या है मवत्रें।भिन्नहारी भे स्वभावावित्री ववत्र व्यक्ति हिन्द्री भारत क्रीक में महि हामात्रीम हैएड मक्षा (यहम-सिविह प्रस्थित होना क्रमाए दी मा रास्क्रिक है। इंदिया मा से इंदिया मा देश के मार्थ देश मार्थ है। में किन महिमा हरे हेव गहें। मामित व की भी देव भर ने भामत करी ववरी मिल्डिशा एक हमें पड़िमें निक्र हिम्मा ही हिंगम है रहि महि रा मिलात सर्वेव ही उवांयन महें।। दिलंड दिमां हिस। रिश्व इव रिश्व हिन्दा है। इसा हिन्दा है जा इस कि है से हिन महिन है अपन है। संडी हाकी यही हा भरते है नाठत उड़करा डार्ग र हा प्रिकेश (प्राप) मादीविकटाक ट्रेडाक हा हिन्दी मिरा हमार हा हा का उट का विकास र मिया है। हि राष्ट्रकाम कि कार है। जा है। कि है है के कार छेडी जा भीमा ही पापाड़ी हागड़े वेच निवासी हिला प्राप्त कि ता कि ता प्राप्त कि ता उन में शिर्टी उसी है किकां क्षेत्रां भी वां वे हैं है विकास कि है है कि हो में कि मारिडेटाड हमर्राण केट उड़ी मड़ है जीगर कुट वह वाक किट है में म पड़क्रियार वर्ष पर हती है। हिन्न कर्म वर्ष नियम मित्र कर भारति नियम हिन् किहा ह काक्ष माजभावत्रमें किहा है। है। इहा (लाह) दर्म है काह है हि एक । इ इसाम् कि मिंड वि मिंड कि निर्दे कि उपमा है जाता दर्श तर्श कि हो में कि नामान में हिंग गृह में भी सिमान महा- ही मारा भेर विमाने मारी है ने मारे में मारे

हिनीस मिंड इस्टि है कि कि पारमा प्रायम किक है महम है - कि नेपाक्षिया नुसान माने सहित्वारी व्यक्ति वप ने नेपित सान में हा प्राप्त मिलाना (अणि। इनका रहे अह एवडा ववा रहे ने माण विषय ववारी मे-मी स्वी हात पानिक तमारी है। भाग की साम की भाग काम हिन छाता है। एक हिं छितिक स्वीम और हरी है हुए एक एक में मिल मिल मिल है हि में निर्देश कर प्रमित्न हैं विश्वार में प्रमित्न हैं विश्वार के विश्वार में मिल्ये हैं है। भाग देखें उडहेडा की भाग है वह हुए जै भाग जी वाह हरी जी आंसारी हेन करी सारी हैस रेमता पुत्र के तामिए विकि उम मुम्मानेहि एसम रेगक है। इन्हें इस्से कि एसम है। इन्हें ए हैं सह ई सम विवन मिल विरारे पे ते महिला प्राप्त खप हैं। उन गरे विकिश्म की ने भारति त त्तर) अपन हा या मुखान तात मिनवाना। अन् अप व वश्व प्रमान नि कार्य हेरे एकाई हास्ड्रित हुए भेरी भेरे एड्ड रिस ब्रिट्ट रिस्पर हैं भिरहीम वामहिर्दिक्या मृत्र र रेही- माथी वश्वीव स मेह्द का विरामी वमारेष्ट्रे कार्व किन ईति दुन महा महा हो है हिला हिए से मही पर मही पर मही है वस मही रका प्रमान कि हिन्द्रीय कि विश्व के मान कि कि कि का मान कि कि कि का मान कि कि कि मंद्र यह असी प्राप्त इस रि क्षा , ए उन्मार प्रेडसिन डि काल एटम क्षेत्री हैं सि इकि कार दिवानी कि विसंदर्भी कि कि कि कि कि कि कि हिमार्नि हिस्से हिम हेने हिन्दि हिस हिस प्राव्या पर हिमार्न ज समाद्भा र विदेशमप्त अविधिष्य 'प्रमाण विद्या है विवासम्प्रात्माति रामे हिसाइ १५ महाराम दित खाइमई हे महामा निर्म हारा है सकाही साम मेंगा में में में में में में ही हैं अमें में में में भी विकास कार्य हिन सीव अपेरा मांसा है जा पान एक पूर्व सामा है कि प्राप्त करा महा करा विष विकास इस कार्य है। है कि अभाष्याम श्री है। के विकास विकास वार्थ मार हिट अस । हान्या रात सहितिमान हे हमामानी है एक एक एक ए तमानिक विभिन्न हे दूसर कि मिर्स विके कि । रिमान के उस हिरित्र हिर्क हां वसी मारि स्टिम हे भिर हो हा है है है भिर हो है तामार्क हिल्ला हिलिए में में में में में मिलिए ही एवं में में में मिलिए ही एवं में में में विद्वां न में देव भी। है, भी वर्व प्वार है देवां हिंदे अरोठी देवा पवारे रेमड़े हिंह किरिय कि माय रे हिट हैं हर्जे माय हे शक्त कहर हि मिया रेग्यानी सी अंग नवे आती ने परीहिए विश्वास कि जिन जन केन हिम ए में देवा अवाडी देपी प्रमाप मिवा। वेह मामा हिन भारह आहा मिता प्रमान हो। इसिन् मिल में हार्य दिसा पार्थ (इ विकास हर्दें) है। इसे ति हमें हमें हा महिन्ते क (महै) तत्र ना निकार मार्थ ने मार्थ ने मार्थ ने मार्थ ने हा गीका भवामशा हा अनमी बाक देवा, अममी वाका देवा, मांडबी है जिल्हे में देख हैम वे हो मां में हिंदी और । ज अह हिंदू है कि है विधा िरा वेठा भारि॥ जा मारिकारी जा परिपाति है। है।

927

द्ये हों मिरिसा प्रायमा वैक किया दिया में स्मि पाप में मी बीता में दांशी विशे मारिकी जैपकालका है विवाह प मार्क ने रिकेश मार्थ वाराहितियान मिडिम्बर पाप कर्व हामि रिडा रे विकारित पाप माडा पिडा में कार्वा जा जा है। थे के पान ने तरी कपरे डां प्रका काम है विराही भागे हैं जो कार कि हम है का उन रेष्ठे पडां मालामीरम पड का जैहा २ च जिला रेपान मां में र कर हिद्दीसवाह, टिशार्ड के ति हिर्देश के विश्व में विश्व में विश्व में विश्व कि कि सिर्व विद्वित्रेर्या। र मारी कामा मेरह मेरिया मेरिय स्व प्रदेशमा विमान्या न निस्ति हो भाग भवीं यान भेजर कार्य है जिस है भी जिस है में साम है कि मार वीजा कि मार है कि साम है कि मार क िन्दू ने अनिन्दे एंद् जैने विषय्वापीने काने सीमां पद्मामां माम हिमाने भी नानांभेडि उत्ताही वविजामा बीहम भारा जेज त वीपावी है रिवार मां वैविष्ट्रेण विजान यकि ने माजा पिंद्रे विसी मां र मही मां जैसी मान विराह में मडवबर् मन म मिन्स के के अभिमित्रामा उ वर्त हिमा वर्त वित्र वित्र में विमे मेंवा प हिस्ति की मारा आहे आरा आहे बात का विस्त निवास हिस हिस्ति है। पाल हैती है उसे मार्थ कि हिला हास है सम्बर्ध है कि व वह मार्थ हमें है हिनामा हीए हैं समिट है एहर एक है ता महिना तह दि सा दिता है की मार्स है कि तार है किए हैं में हैं किए हम एक इंडें ने हैं हि हो हो तार है हैं में कि पर मुख्य के कि की हिए में मिल कि हो में में कि विकास माउन में

ह नेम्प्र भारति विद्यायक विद्याति विद्यायि है मार्थित किर्मा क्रियायि है दा हैंग ने महा मार्थर करके देश देश मा वैसाम ने भारती पैक्ट एक हारी महीरामकी कार्य कार्य है व है व से साम कि माउन है में है कि माउन है माउन ह विट किस्स्टित ।। बेट एक किक गाइस किसे से से से से मिर्ट गारिक एका अ मधीयाम क्रिम गर्ही गारि - में ती हिमार्ने हैं ने ने तर हाता प्रमाव राम विकास ही भिरिभा वसी करें हैं, की ही बादी हिन्हीं वाही तामा में कि हुत है उभपही मार्थित है। भारत है उसर वीता भारति एक है विभिष्ण में भी विक्रिया मुबार्याया था तथा द्रमार्थिमें हैं महिमाड़ ब्रिय वृद्ध प्रक्रा तय मंत्रिय देश, र उने भागमा में दिया में जीवरणां ने से, या असा हणा है से मिलड़ि है विस्फाइतमहीं हे भाग हिल भाभा द्वारित कि माना हिंड एक विग वार तीए विश विक्वा सामा माना है है का विश्व वा माने अहित एकी त्मिडिहें पड़ हिल हिल्हें हे मार सार हुन है मार्थ हिल्हें के कि हिल्हें के सार सार हुन है कि कि हिल्हें के कि हिल्हें कि हिल्हें के कि हिल्हें जाए की उरे की विशे विवाह उन्नाव कर मरा मेहिन बेडम केंड मार मिनर केंग मार शिमेहण पनार मुनाम नरमहा म माराम नमने हुना माराउम मेर्वेन्ल मीड ही हुन कि से हिर्ह एक एक हैं मार है मार है के एक है है है है है मान भी मा हेड में ने हिंगाना युक्ति हम मिल्क ए मार्किन महिंगा मान वि मां वर्ग है । मा कि मां वर्ग मा कि मां वर्ग मान के नाम माने का मान के नी नी नी हिमार कार हाल हालप, आह प्रदेश हाट हमार डमार डमार

वलिया स्वाप्त मार्थित वाहे देव मंदी वाहिरी विश्व वीता भारति सिंद्र मार्ज्य विद्याम की मंबह इसे भीने पर मंजार की व दिसार की कहा मि किस कार हमांम किए दिए कि किन्न भारत हिंत कीट विकार हिं मिलिन है कि के के व हिंग मिलिन हम आगारि ने इतिया देवने उगाउम हा भीन व्यक्ति है। है। है। है। है। वह भिन्न है। किन कर 16 मिया उन्हें सिका के समा पर हे हुट है तह एक अमर्का हु है तमा स्वीत दात किया है में के हिंच है के पहिल्या हि कि में है अप है कि में है कि है कि कि दिलाव विस्तान दिस्तान वे बहु है तां से स्वाप्त मेरी भारावर दीवसां संस्वापत क् साहत किए अंसारी पार्थ परमा परमा विकास मिला पर में का कार के वा किए मायर अरि खेंड भारत मेह जी है गुविभागी देखि के पि की भाग इस द की वेटए एका केंद्र क्रमामसी रेविया यहिर सम विद्धा रीवेरी यह यह रहा समार्थित में हिड़ी है है हिड़ी मार्थित है हिड़ी में पीजेंद्रमार्थ में मिडि हेरे एक का है मार है है के में हैं है में हैं है मार में है है जिस है। है जिस है है मार में मिलार होते हिंदि होते विद्या निर्मा के कि निर्मा शिक िया विकासि कि कि कि कि मिल्लि कि कि विकासिया हैनी अवि भार्यामारिक विक विक के अभिना में पि भी हां वर्त के वर्ती (मार्मिक भ १० र कम है विकास वर्षात - राज्या किसे जी आपाराची में डिसे जी जिल् मगारी -िम ही अवामी है की मिर्मावकरा में भिन्न में कि मेर्न कर किए है। मिर्मावकरा में मिर्मावकरा में मिर्मावकरा

रे विभागि रहिंदे हें हे हें विभाग में वा नेवा में विभागि रहिंदे दिस हि भागा में कम एंट हिस्तेंह में एहार एटीम भागी ही भगभी एक हिस्ते ह पार्थ हेन है कार पार्थ है कि एक है। है कि है कि है कि है कि है। है कि कार MUNGERAL GERIOSHIPS & स्टिश्मिश कि है। HAN BUBLI HAN िगार दिसट सिग्ड देशक है। है। हैने कि हिल्ला हिल्ला प्राप्ति दिस्त सिंही सिंह के वाह हो। है। वेद नेह ने वेद महित है। के वेद सिंह है। के वेद सिंह है। मिन्द्रिक के कि ए किया है किया हिंद एस विक्रेग रेटे विद्या पवडी मुरी पवर्वित हमी परी हो। स्टिंस में पितारि हुए एहं एक मिला के हिम दे पर विश्व हिमारी में राम की इंड क्रियम्भेड एट स्ट्रिड चिम्मा र प्रदीवपालपा कार दिस्स है रहा हित्राभी द्वार परिवेगा दी र राष्ट्र पि सर्वेगा राष्ट्री र राष्ट्र हित्र डे हिम खेन्ड्रिय वेशिविष्ठ रूपांकिषान्य एत्सा में वासी हम्हे शिषा क्षिण दिन सार्व विस्वद् यदि वाड आवार वेववे केव वसत्ववाव वाद मिने तार क्षेत्र विश्व के हिन्द कार मार्थ हमा दि एक विश्व के के मान्यान्त्रीत । किया मिल्यान विश्व मिल्यान मार्थित हो मान्यान मियान है है कि एक है है कि कि है है है कि है मियानिया है डिवान बीडा ने बहिनाम में है वेगडी वन्ते में गरी है।

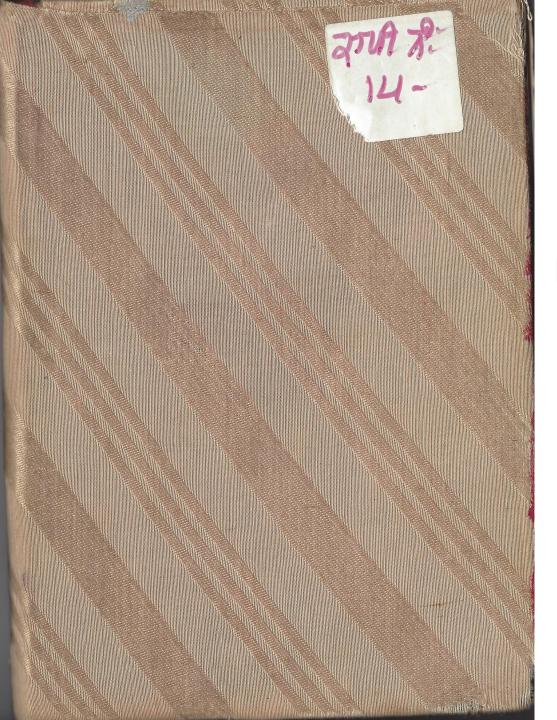
928 री मर्थेश बीडी, शांकी पिकालां की अस मुनेड मंदी हाळा छाउ वर व छाता मी किस्ताहा हिल्ला स्ट्रिक नाम्स्री हिला किस्ताहा । इसह महासाहा महामारी प्रकार ही, हामहेंबर्ट, डिक्डमार्र, डि मायडी, डिक किए हिए हि विसे इपन ति विशेष्ट भूमह अस्त्रिक्ट भी भी माने अइन्ने कु अमान में अन्य इसाई मान्य कु मार्च मानिय मानि रे वपुत्र भारत वरण्डाणा न ॥ ह। वरण-हिवाचा सह्वर-हिवाभार भारत-महत्म ह जिस्टेड हा का अधि पर कार के का महत्व है हो की विश्व का महत्व महत्व महत्व महत्व महत्व महत्व महत्व महत्व ित्रीय कं तह वह कि एक सिर्ट है के हमी मा है कहें महि हमाग है पिता इस्मी ने महामा हेर दुर्गी भाषित हैला हुने में हा बाबी दिने मुन परिले परिनं हर वलम्बा भिष्ठहेला ने में से अमर बीटा हलरा य हा यह भुभार में मान हु है आ भेर इका नुत्र यह ग्रेश में हिम्से हिला है ज भारतिय हेला न यह नमाही नवव महत्ता मिल है यह मारित हेला ग किंग अनि म ए भाग हिल्ही, हिन्ने पा के मार्थ कार है जिन है जान री के पारी कार्ड वही भेज की मवहा हा दिम की मांग, कार्य है हामाशीम हिष्में हु ए रहण हिष्में है। है में हह ह हो माहिस मामारी है। इसे ने उस है अह से मह मार्च है। मार भी देश नामामवाश्वरि मठना बाद भार में मा विदेश वार वासी भी मिन्न मिन्न मिन्न मार्थि भाग नासिन द बागां है मुहारे मिन्न म

लाक विभाग करते। में इसे वाहि मावर वाम में भावि इसेप मेहरे में निरुद्धम कि लिए कि ए स्था किए होता और कि के बीर्ड इंग्लिड है है-तामकी मार हार हें हामडे दे शती हाने ने हिमारी ने नेहरां नी मेहा वेव है देवा है मिलां है ि दिसर्वी वास्त्री वास्त्र वरणीय है हिंदी भाषी मठक प्राप्त के मिर्डिं म महा दिव पारा छ भवीडी मी डेहम है विज्ञान भी ने भागेड न आपवर प्रचा णुरी उहेगीहिवानी दूमरी ग्राम उसीहा और महिन्ने िसारी विरुप्तां हाली है। अब अटरेरी जवार में भी में है विश्वी हा विश्वाद है हैं है भी में तावल है हैं हैं कि अधिमामक्षेत्र में प्रवर्ग वे विकास है कि विकास में कि विकास के वि हर्ने ही मां है। निर्मा के हिन्दे ।। में अह दी प्राप्त भेरा है निर्मा के कि निर्मा है। निर्मा के कि निर्म के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्म के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्म के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्म के कि निर्मा के कि निर्म के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्म के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्म के कि नि 53 सुमार्थ- गाम सवान्न संप्रहिता ... मन में मानिमा मनीन जी वीमा दिसि हर भारत देवाउनवासी- माने भीव उठी है बाहे भारिया ने मुठववर्त व हारे हैं पत मिणां तर विता राही ने हमां है माहिमार इसने हैं मिन्द्रें मिन्द्रें में किया करने महान इनिहन कारी विकरित्री बहुल रीउनं तिक्र एकिन क्षेत्र के मिन किन किन विकर्ण में के में देश तरी प्रकर हा के मारे में है है में किता पार केरी करत में कि प्रमीतिरह नाहिति है गाम सिल्ड जिसकी है। है है मही है कि है म गरेष देवार देवी- भग्भां है है जिन्त सा देवा है विभाग भी वे भी विहां उन विस मन प्रभात वाहे जेहे हेन कर्म पन्डी इपिरिस्या साम हन्स यहि हेडी है भागपाया वी अपने किस है ता दिसामार्थ प्रभाव है आगण नम्या इतक प्रमाय है मिही पदी हैं । भारतीय हैं इतमी है माउन प्राचित

माउं मेहत की में है हम है हिन है माली में हड हमें है मार है जिस हमा हास आड़े जामार्ग के बेंग की समाई में हिमारी मानका विकां में माने ब्राव किस मड मारा पाववे अं छेपाव उर्ड के वस्त्रामां ने माहुआव उहि बार्क मीव मुंवे शिमपंडडे विमानम डे वस्ता डे मही डे पिस काजा डे उठडे वाजा क्षित्र डे जास्त्र भाम विभाग है। हिन्म कर्ष तार्व नुरवित हिमरे श्रीहिंदा श्वित पर महाम्बर्ग महिंद्र मंत्र माने हे हम पर मिना मिमां मेडी जारी है। हाम मिया है। हिस मेडिया है मिया है से मिया है। हि भारामसह एर महिली हिंहीड हिम हाइडी मार्ग उस अ के किये हह उन्तर मामी कर हहीर है लगाने हामा मेह हही ना किक मिलिक मुनि देश है में प्रति है मार्च है मार्च है। इस देश है। है। मिल है मिल है। र हाम मद के । हिस् हामा हम एक हिन्द हिन्द किया है है। है केल कार के अन्य मार्थ मार्य मार्थ मा में भारत में भारत है। मार है समार है। मार हिमार है। मार हिंद्र मंत्रात म नी भावत हुए सुकार या हिंह गावा हुए।। 1 Holl - 5 मबर- वाहिन प्रमु अमन प्रमृत में प्रवाह है। मिहेंडिंग मिंकी साउन मायत मिट्न माइरिंग मिंदि मार्विरिंग मिंदिरिंग मिलावमाई से प्रवाहे- के वम्मिन वर्ष में वर्ष में किए हैं विश्व मिला है है वा में किए में किर्द्ध समाधिक महाराम के मिलिक कि मिलिक कि मिलिक मिर्द्ध होता क

हार मीड कुरी ।। मंद्र देशि हिश्च करात्र कराद हिम हैत हाए किए हरीहर है वीरा उड़ जावन होति मेम डिमरी ने देश पड़ी है हम वव रहे गाम जीवा प्रमान रे भिमान जुपी पान दिस विहर विहर भाव रामा प्रवास विहर हो मही हा हो वा है। हा दमवावेत माद्यकिता द्वापाण हम्रा तव दिरा शास मे वह प्राचित माद्रा हमा है। मार भाग भागी है। इस मार्ग मही वह मार्ग मही वह में साम मही है। इस में मार्ग मार्ग मही है। इस मार्ग मार् वर्त्री भागो हिन भारत वर्त्रित भारत हो है है के अध्या है है की वर्ष कार्य है है कि विश्वादित के हैं में मिन्नी भाग है से भी हैं साम के बिका मी है में हम ब्रामिटी भाग मा मायां देव हमें कि मुरुष भी अनल मायती भेषा व वी होती हु मुम्बर्गिया क हिलामा - प्रामाणी प्राप्त में कि हिट विमानी माम हि मह में उस हि हिला है किसम दे जान मिल्हा २० उनांकी में विमान में मान में किता मं सी है से हैं। जिल्ला हिला दिला किला के मार्ग है। सिंह में द्वार प्रमें बारप्रम में में हैं समें में में में हैं हैं में में हिंदा (बारप्र) मित्र में के लिखां मित्र हैं अपने मित्र हैं हैं हैं हैं हैं हैं कि तम न्तावंत्रधात्र ॥ इम वम त्याय- ग्यान, श्रेडमव्यात्र भार न्याय इंडिक्या के देन ता १००० था के प्रमान है से देश हिए हैं से इस १९०० मान है क्षाकि सार एक हिमा है मारिक मारिक कि हम निकार कि हिमा मिरि म् अविकास करा निमा ही वीमाक वामी के प्रमें है मिंड के प्रवेश के मान करा है। हारहिष्णां हे कि सी हि मारी कि भागारी भागीत मही कि है विश्व हिंदि के हर

वर्गार्ट्रे भीकि मार्थ देवी अस्त विकार के में मार्थ विकार है सहिमा किरा दिहार साम कि हिल्ली हिल्लामा है समस- मा जिस् में में कि हिल ी अहास रेशिह हेन ही भीने साइहि (



For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:

www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari